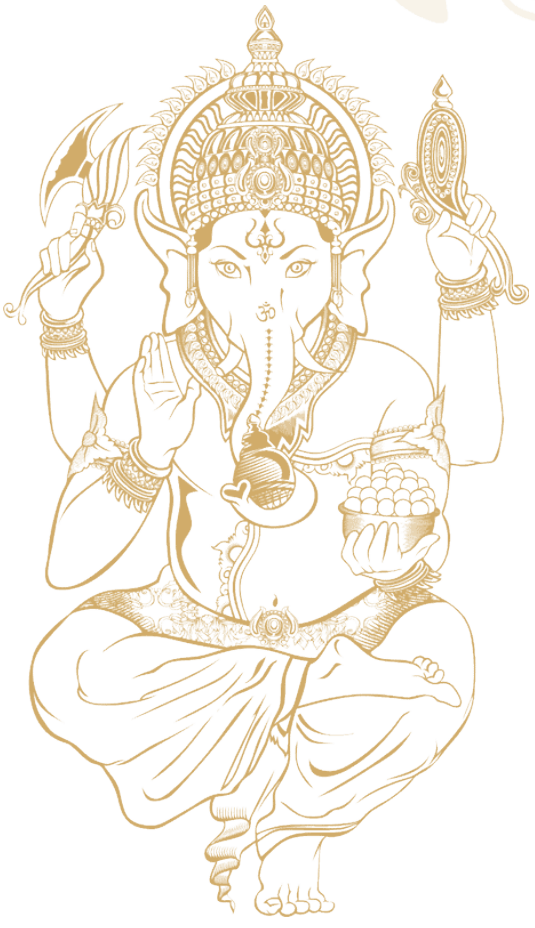

Kaushal

17 Oct 1992

06:00 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120146704

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
17/10/1992	जन्म तिथि	**17-18/10/2025**
शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 18:00:00	जन्म समय	04:55:25 घंटे
घटी 29:01:33	जन्म समय(घटी)	56:20:05 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:22	सूर्योदय	06:23:22
17:50:18	सूर्यास्त	17:49:17
23:45:39	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06
मेष	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	सिंह
बुध	राशि-स्वामी	सूर्य
आर्द्रा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
परिघ	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	तैतिल
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	टी-टीना
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
श्वान	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान
33	गत/तत्कालिक वर्ष	34

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अश्विनी	2	05:29:13	मेष		
चित्रा	3	00:37:37	तुला		
आर्द्रा	1	09:33:35	मिथु		
पुनर्वसु	2	23:54:15	मिथु		
विशाखा	1	20:54:20	तुला		
उ०फाल्गुनी	4	07:41:51	कन्या		
अनुराधा	1	03:32:23	वृश्चि		
श्रवण	3	18:03:39	मक		
ज्येष्ठा	4	29:24:25	वृश्चि		
मृगशिरा	2	29:24:25	वृष		
पूर्वाषाढ़ा	3	20:32:22	धनु		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कन्या	10:26:18	1	हस्त
सूर्य			तुला	00:37:37	3	चित्रा
चंद्र			सिंह	21:06:51	3	पू०फाल्गुनी
मंगल			तुला	23:21:10	2	विशाखा
बुध			तुला	21:54:51	1	विशाखा
गुरु			मिथु	29:57:09	3	पुनर्वसु
शुक्र			कन्या	10:51:35	1	हस्त
शनि	व		मीन	02:20:47	4	पू०भाद्रपद
राहु			कुंभ	23:46:00	2	पू०भाद्रपद
केतु			सिंह	23:46:00	4	पू०फाल्गुनी
मु			मक	05:29:13	3	उत्तराषाढ़ा

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

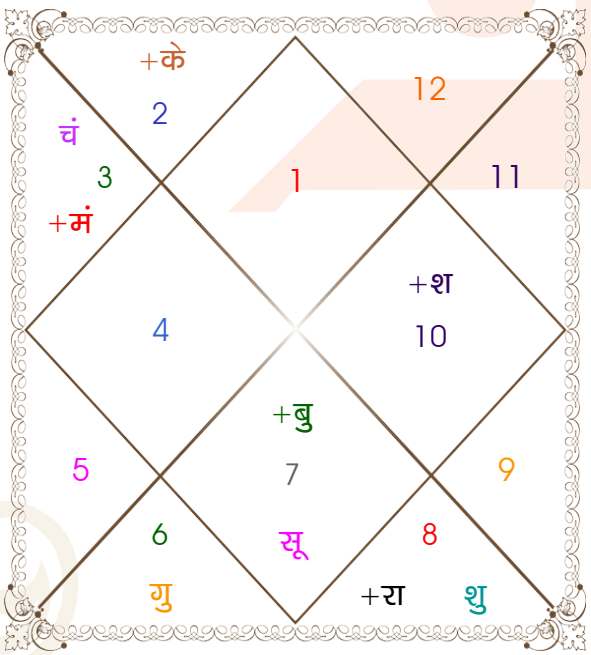

वर्ष लग्न कुंडली

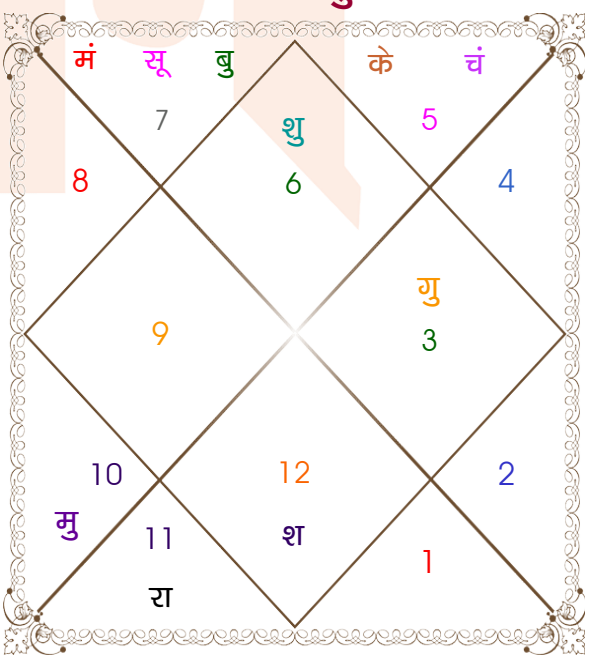

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - गुरु	
01/07/2025 00:53	
24/11/2025 13:02	
गुरु	20/07/2025 13:42
शनि	12/08/2025 18:26
बुध	02/09/2025 12:33
केतु	11/09/2025 01:39
शुक्र	05/10/2025 11:41
सूर्य	12/10/2025 19:29
चंद्र	25/10/2025 00:30
मंगल	02/11/2025 13:36
राहु	24/11/2025 13:02

शनि - बुध - बुध	
24/11/2025 13:02	
12/04/2026 19:40	
बुध	14/12/2025 06:34
केतु	22/12/2025 09:33
शुक्र	14/01/2026 14:40
सूर्य	21/01/2026 13:48
चंद्र	02/02/2026 04:21
मंगल	10/02/2026 07:20
राहु	03/03/2026 04:44
गुरु	21/03/2026 18:25
शनि	12/04/2026 19:40

शनि - बुध - केतु	
12/04/2026 19:40	
09/06/2026 04:03	
केतु	16/04/2026 03:58
शुक्र	25/04/2026 17:21
सूर्य	28/04/2026 14:11
चंद्र	03/05/2026 08:53
मंगल	06/05/2026 17:10
राहु	15/05/2026 07:37
गुरु	22/05/2026 23:08
शनि	01/06/2026 01:04
बुध	09/06/2026 04:03

शनि - बुध - शुक्र	
09/06/2026 04:03	
20/11/2026 00:35	
शुक्र	06/07/2026 11:29
सूर्य	14/07/2026 16:06
चंद्र	28/07/2026 07:49
मंगल	06/08/2026 21:13
राहु	31/08/2026 11:05
गुरु	22/09/2026 07:26
शनि	18/10/2026 06:05
बुध	10/11/2026 11:11
केतु	20/11/2026 00:35

शनि - बुध - सूर्य	
20/11/2026 00:35	
08/01/2027 04:20	
सूर्य	22/11/2026 11:34
चंद्र	26/11/2026 13:53
मंगल	29/11/2026 10:42
राहु	06/12/2026 19:40
गुरु	13/12/2026 08:58
शनि	21/12/2026 03:46
बुध	28/12/2026 02:54
केतु	30/12/2026 23:43
शुक्र	08/01/2027 04:20

शनि - बुध - चंद्र	
08/01/2027 04:20	
31/03/2027 02:36	
चंद्र	15/01/2027 00:12
मंगल	19/01/2027 18:53
राहु	01/02/2027 01:50
गुरु	11/02/2027 24:00
शनि	24/02/2027 23:19
बुध	08/03/2027 13:53
केतु	13/03/2027 08:35
शुक्र	27/03/2027 00:17
सूर्य	31/03/2027 02:36

शनि - बुध - मंगल	
31/03/2027 02:36	
27/05/2027 10:59	
मंगल	03/04/2027 10:53
राहु	12/04/2027 01:21
गुरु	19/04/2027 16:52
शनि	28/04/2027 18:48
बुध	06/05/2027 21:47
केतु	10/05/2027 06:04
शुक्र	19/05/2027 19:28
सूर्य	22/05/2027 16:17
चंद्र	27/05/2027 10:59

शनि - बुध - राहु	
27/05/2027 10:59	
21/10/2027 22:15	
राहु	18/06/2027 13:52
गुरु	08/07/2027 05:47
शनि	31/07/2027 14:10
बुध	21/08/2027 11:34
केतु	30/08/2027 02:01
शुक्र	23/09/2027 15:54
सूर्य	01/10/2027 00:52
चंद्र	13/10/2027 07:48
मंगल	21/10/2027 22:15

शनि - बुध - गुरु	
21/10/2027 22:15	
01/03/2028 00:17	
गुरु	08/11/2027 09:44
शनि	29/11/2027 03:51
बुध	17/12/2027 17:32
केतु	25/12/2027 09:03
शुक्र	16/01/2028 05:23
सूर्य	22/01/2028 18:41
चंद्र	02/02/2028 16:51
मंगल	10/02/2028 08:22
राहु	01/03/2028 00:17

शनि - बुध - शनि	
01/03/2028 00:17	
03/08/2028 16:11	
शनि	25/03/2028 15:48
बुध	16/04/2028 17:03
केतु	25/04/2028 18:58
शुक्र	21/05/2028 17:37
सूर्य	29/05/2028 12:25
चंद्र	11/06/2028 11:45
मंगल	20/06/2028 13:40
राहु	13/07/2028 22:03
गुरु	03/08/2028 16:11

शनि - केतु - केतु	
03/08/2028 16:11	
27/08/2028 06:55	
केतु	05/08/2028 01:14
शुक्र	08/08/2028 23:42
सूर्य	10/08/2028 04:02
चंद्र	12/08/2028 03:16
मंगल	13/08/2028 12:19
राहु	17/08/2028 01:20
गुरु	20/08/2028 04:54
शनि	23/08/2028 22:38
बुध	27/08/2028 06:55

शनि - केतु - शुक्र	
27/08/2028 06:55	
02/11/2028 18:12	
शुक्र	07/09/2028 12:48
सूर्य	10/09/2028 21:46
चंद्र	16/09/2028 12:42
मंगल	20/09/2028 11:10
राहु	30/09/2028 14:03
गुरु	09/10/2028 13:57
शनि	20/10/2028 06:20
बुध	29/10/2028 19:44
केतु	02/11/2028 18:12

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।